पी॰ एस॰ एम॰ पब्लिक स्कूल

कार्य पत्रक

कक्षा - तीसरी विषय - हिन्दी

उपविषय - कुल्हाड़ी का दलिया

[दोहराव कार्य]

प्र॰-1 सही शब्द से रिक्त स्थान भरो -

क॰ बुढ़िया के पास हर चीज़ बहुतायत से थी, लेकिन वह बहुत —— थी।

ख॰ थोड़ा - सा अध्कुटा —— और होता तो बस, मज़ा आ जाता।

ग॰ "क्या —— अंदर आकर थोड़ी देर आराम कर सकता है?"

घ॰ सिपाही ने —— को धोकर बरतन में रखा।

ङ॰ "कुल्हाड़ी का दलिया!" उसने —— होकर कहा।

च॰ बुढ़िया की यह बात सुनकर —— मन ही मन हँसते हुए दलिया खा रहा था।

प्र॰-2 सही कथन पर (✓) तथा गलत पर (✗) का निशान लगाए -

क॰ सिपाही ने जादू से कुल्हाड़ी का दलिया बनाया।

ख॰ बुढ़िया का स्वभाव कंजूस था। ☐

ग॰ बूढ़ा सिपाही छुट्टी पर जा रहा था। ☐

घ॰ कुल्हाड़ी का दलिया बहुत मज़ेदार बना था। ☐

ङ॰ सिपाही ने कुल्हाड़ी को बिना धोए चूल्हे पर चढ़ा दिया। ☐

च॰ बूढ़ा सिपाही बहुत समझदार था। ☐

प्र०.3 मिलान करो -

अनुस्वार	गेहूँ
अनुनासिक	आनंद
	अंदर
	गाँव
	बेंच
	माँ

प्र०-4 नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर एक शब्द में दीजिए -

क. सिपाही ने किसका दलिया बनाने की बात कही?

उ०. _____

ख. यात्री कौन था?

उ०. _____

ग. दलिया कैसा बना था?

उ०. _____

घ. दलिए में कैसा गेहूँ डाला था?

उ०. _____

प्र०.5- संज्ञा शब्दों का विशेषण शब्दों से मिलान करो -

संज्ञा	विशेषण
कंजूस	गाय
स्वादिष्ट	सिपाही
सफ़ेद	बादल
चतुर	भोजन
काले	बुढ़िया